भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2092
सोमवार, 8 मार्च, 2021/17 फाल्गुन, 1942 (शक)

रोजगार सृजन

2092. डॉ. आलोक कुमार सुमनः

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देश में युवाओं के लाभ हेतु रोजगार सृजन के लिए बड़े निवेश वाले विभिन्न परियोजनाओं को प्रोत्साहित करना, प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मनरेगा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना और दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन आदि जैसी योजनाओं पर सार्वजनिक व्यय में वृद्धि करते हुए विभिन्न कदम उठाए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) बिहार, विशेषकर गोपालगंज जिले में बेरोजगार युवाओं के लिए नए रोजगार के सृजन में सरकार द्वारा कितनी प्रगति हुई है;

(ग) विगत दो वर्षों के दौरान विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से बिहार में सृजित रोजगार की जिला-वार संख्या कितनी है; और

(घ) क्या राष्ट्रीय कैरियर सेवा परियोजना जिसमें गतिशील, दक्ष और प्रत्युत्कारी रूप में जॉब-मैचिंग के लिए डिजिटल पोर्टल सम्मिलित है तथा जिसमें रोजगार खोजने वालों के लिए कैरियर से संबंधित जानकारी का संचय है, से गोपालगंज जिले के युवाओं को लाभ मिल रहा है और यदि हां, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री संतोष कुमार गंगवार)

(क) से (ग): नियोजनीयता में सुधार करते हुए रोजगार का सृजन करना सरकार की प्राथमिकता रही है। सरकार ने देश में रोजगार का सृजन करने के लिए पर्याप्त निवेश वाली विभिन्न परियोजनाओं को प्रोत्साहन देने और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस) तथा पं. दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई), दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाई-एनयूएलएम) जोकि क्रमशः सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय और आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित की जा रही हैं, जैसी योजनाओं पर सार्वजनिक व्यय में वृद्धि करने जैसे विभिन्न कदम उठाए है। पिछले एक वर्ष के दौरान बिहार में इस योजनाओं/कार्यक्रमों की प्रगति का ब्यौरा नीचे निम्नानुसार हैः

योजना/वर्ष	2019-20	2020-21
पीएमईजीपी के अंतर्गत सृजित रोजगार	17768 (व्यक्तियों की संख्या)	6232 (व्यक्तियों की संख्या) (31.12.2020 को)
डीडीयू-जीकेवाई के तहत नियोजित अभ्यर्थी	5861 (अभ्यर्थियों की संख्या)	2147 (अभ्यर्थियों की संख्या) (जनवरी, 2021 तक)
मनरेगा के तहत सृजित मानव दिवस	1418 (लाख में)	1755 (लाख में) (28.01.2021 को)

स्रोतः संबंधित मंत्रालय

सरकार राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) परियोजना का कार्यान्वयन कर रही है, जिसमें एक ऐसा डिजिटल पोर्टल शामिल है जो गतिशील ढंग से योग्यता अनुरूप रोजगार हेतु रोजगार चाहने वालों एवं नियोक्ताओं के लिए एक राष्ट्र-व्यापी ऑनलाइन मंच प्रदान करता है। एनसीएस पर सभी सेवाएं लागत-मुक्त हैं। बिहार के गोपालगंज जिले से एनसीएस पोर्टल पर लगभग 12.41 लाख सक्रिय रोजगार चाहने वाले एवं 2000 से अधिक सक्रिय नियोक्ता पंजीकृत है।

*****